विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
नेट-ब्यूरो

Code No. : 08

विषयः वाणिज्य

पाठ्यक्रम

इकाई-I व्यवसायिक वातावरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

इकाई-II लेखांकन और अंकेक्षण

इकाई-III व्यवसायिक अर्थशास्त्र

इकाई-IV व्यवसाय वित्त

इकाई-V व्यवसाय सांख्यिकी तथा शोध विधि

इकाई-VI व्यवसायिक प्रबन्ध और मानव संसाधन प्रबन्ध

इकाई-VII बैकिंग एवं वित्तीय संस्थाएं

इकाई-VIII विपणन प्रबंधन

इकाई-IX व्यवसाय के कानूनी पहलू

इकाई-X आयकर और निगम कर योजना

इकाई-I

व्यवसायिक वातावरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

- व्यवसायिक वातावरण की अवधारणाएँ एवं तत्व : आर्थिक वातावरण – आर्थिक पद्धतियां, आर्थिक नीतियां (मुद्रिक एवं वित्तीय नीतियां); राजनीतिक वातावरण – व्यवसाय में सरकार की भूमिका; वैधानिक वातावरण – उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, एफ ई एम ए (फेमा); सामाजिक-सांस्कृतिक कारक और व्यवसाय पर उनका प्रभाव; कार्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी
- अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय का विस्तार-क्षेत्र तथा महत्त्व; वैश्वीकरण तथा इस के संचालक; अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में प्रवेश करने की नीतियां
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त; अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सरकार का हस्तक्षेप; टेरिफ तथा गैर-टैरिफ अवरोध; भारत की विदेश व्यापार नीति
- विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ.डी.आई) विदेशी पोर्ट फोलियो निवेश (एफ. पी.आई), एफ डी आई के प्रकार, स्वदेश और मेजबान देशों के एफ.डी.आई की लागत और लाभ; एफ.डी.आई में नवीन प्रवृतियाँ; भारत की एफ.डी.आई नीति
- भुगतान का देय (बी.ओ.पी) : बी ओ पी का महत्त्व और संगठक तत्व
- क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण : क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण के स्तर; व्यापार सृजन एवं पथांतरण; क्षेत्रीय व्यापार समझौता; यूरोपीय संघ (ई.यू), आसियान, सार्क और नाफटा
- अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाएं : आई.एम.एफ, वर्ल्ड बैंक, यू.एन.सी.टी.ए.डी
- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) डब्ल्यू टी ओ के कार्य तथा उद्देश्य; कृषि समझौता; गैट्स (जी ए टी एस), ट्रिपस (टी आर आई पी एस), ट्रिमस (टी आर आई एम एस)

इकाई-II

लेखांकन और अंकेक्षण

- लेखांकन के मूल सिद्धान्त, संकल्पना और अभ्युपगम
- साझेदारी लेखे : साझेदारी फर्म में प्रवेश, सेवा-निवृत्ति, मृत्यु, और विघटन तथा दिवालियापन
- कम्पनी लेखांकन : निर्गम, शेयरों की जब्ती और पुन:निर्गम; कंपनियों का परिसमापन; कम्पनियों का अधिग्रहण, विलयन, समामेलन और पुनर्गठन
- सूत्रधारी कंपनी के लेखे

- लागत और प्रबंधन लेखे : सीमांत लागत और सम-विच्छेद विश्लेषण; मानक लागत; बजट नियंत्रण; प्रक्रिया लागत; क्रियाकल्प आधारित लागत (ए बी सी); निर्णय लेने संबंधी लागत; जीवन चक्र लागत; लक्ष्य लागत; काइजन लागत और जे आई टी
- वित्तीय विवरण विश्लेषण: अनुपात विश्लेषण; निधि प्रवाह विश्लेषण; रोकड़ प्रवाह विश्लेषण
- मानव संसाधन लेखांकन; मुद्रास्फीति लेखांकन; पर्यावरण लेखांकन
- भारतीय लेखांकन मानक और आई एफ आर एस
- अंकेक्षण : स्वतंत्र वित्तीय अंकेक्षण, वाउचिंग: परिसंपत्तिओं और देयताओं का सत्यापन और मूल्यांकन; वित्तीय विवरणों का अंकेक्षण और अंकेक्षण रिपोर्ट; लागत अंकेक्षण
- अंकेक्षण की अद्यतन प्रवृतियां : प्रबंधन अंकेक्षण; ऊर्जा अंकेक्षण, पर्यावरण अंकेक्षण, व्यवस्था अंकेक्षण; सुरक्षा अंकेक्षण

इकाई-III
व्यवसयिक अर्थशास्त्र

- व्यवसायिक अर्थशास्त्र का अर्थ एवं विषय-क्षेत्र
- व्यवसायिक फर्मों का उद्देश्य
- माँग विश्लेषण : माँग का नियम; माँग की लोच और इसका मापन; ए आर और एम आर में सम्बन्ध
- उपभोक्ता व्यवहार : उपयोगिता विश्लेषण; अनधिमान वक्र विश्लेषण
- परिवर्ती अनुपात नियम : पैमाने के प्रतिफल का नियम
- लागत का सिद्धान्त : लघु-कालिक तथा दीर्घकालिक लागत वक्र
- विभिन्न विपणन पद्यतियों के अधीन कीमत निर्धारण : पूर्ण प्रतियोगिता; एकाधिकारी प्रतियोगिता; अल्पाधिकार-कीमत नेतृत्व मॉडल एकाधिकार; कीमत भेदमूलक
- कीमत निर्धारण रणनीतियाँ : कीमत क्षिप्रता; कीमत अन्त: प्रवेश; चरम भार पर कीमत निर्धारण

इकाई-IV

व्यवसायिक वित्त

- वित्त का विषय-क्षेत्र और स्रोत; पट्टा वित्तपोषण
- पूंजी की लागत और धन का समय मूल्य
- पूंजीगत ढांचा
- पूंजीगत बजट संबंधी निर्णय: पूंजीगत बजट संबंधी विश्लेषण की पारम्परिक और वैज्ञानिक तकनीकें
- कार्यशील पूंजी प्रबंधन; लाभांश का निर्णय: सिद्धान्त और नीतियां
- जोखिम और प्रतिफल विश्लेषण; परिसंपत्ति की संवीक्षा
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली
- विदेशी मुद्रा बाजार; विनिमय दर जोखिम और हेजिंग तकनीकें
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजार और लिखत : यूरो मुद्रा; जी डी आर, ए डी आर
- अंतर्राष्ट्रीय अंतर-पणन; बहु-राष्ट्रीय पूंजी बजटिंग

इकाई-V

व्यवसायिक सांख्यिकी तथा शोध विधि

- केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापन
- प्रकीर्णन का मापन
- वैषम्य मापन
- दो परिवर्तियों का सहचर्य तथा प्रतीपगमन
- प्रायिकता : प्रायकिता के उपागम; बेय (Bayes) का सिद्धान्त
- प्रायिकता वितरण : द्विपक्षीय, पॉसों तथा सामान्य वितरण
- शोध: अवधारणा तथा प्रकार; शोध अभिकल्प
- डाटा : संग्रह तथा वर्गीकरण
- प्रतिचयन तथा अनुमान : अवधारणा, प्रतिचयन की विधियां – प्रायिकता था गैर-प्रायिकता विधियां; प्रतिचयन वितरण; केन्द्रीय सीमा प्रमेय; मानक त्रुटि; सांख्यिकीय अनुमान
- परिकल्पना परीक्षण, Z टेस्ट; अनोवा (ए एन ओ वी ए) ; काई वर्ग परिक्षण, मैं व्हिटने यू टेस्ट, कृस्कल-वालिस एच टेस्ट; रैंक कोरिलेशन टेस्ट
- रिपोर्ट लेखन

इकाई-VI

व्यवसायिक प्रबन्ध और मानव संसाधन प्रबन्ध

- प्रबन्धन के सिद्धान्त और कार्य
- संगठन का ढांचा : औपचारिक और अनौपचारिक संगठन; नियन्त्रण की विस्तृति
- दायित्व और प्राधिकार : प्राधिकार का प्रत्यायोजन और विकेंद्रीकरण
- अभिप्रेरणा और नेतृत्व : संकल्पना एवं सिद्धान्त
- निगम अभिशासन और व्यवसाय संबंधी नैतिकता
- मानव संसाधन प्रबंध : मानव संसाधन प्रबन्धन की संकल्पना, भूमिका और कार्य; मानव संसाधन सम्बन्धी योजना; भर्ती और चयन; प्रशिक्षण और विकास; उत्तराधिकार योजना
- प्रतिपूर्ति प्रबन्ध : जॉब मूल्यांकन, प्रोत्साहन एवं अनुषंगी लाभ
- कार्य निष्पादन मूल्यांकन, 360° कार्य निष्पादन मूल्यांकन सहित
- सामूहिक सौदेबाजी और प्रबन्ध में कामगारों की प्रतिभागिता
- व्यक्तित्व : बोध; अभिवृत्ति; मनोवेग; समूह की शक्ति; शक्ति और राजनीति; टकराव और समझौता; तनाव प्रबन्ध
- संगठनात्मक संस्कृति : संगठनात्मक विकास एवं संगठनात्मक बदलाव

इकाई-VII

बैकिंग एवं वित्तीय संस्थाएं

- भारतीय वित्तीय प्रणाली का विहंगावलोकन
- बैंकों के प्रकार : वाणिज्य बैंक, क्षेत्रीय ग्रमीण बैंक (आर आर बी), विदेशी बैंक, सहकारी बैंक
- भारतीय रिजर्व बैंक : कार्य, भूमिका तथा मौद्रिक नीति प्रबन्धन
- भारत में बैंकिंग क्षेत्र में सुधार, बेसल मानदण्ड; जोखिम प्रबन्धन; एन पी ए प्रबन्धन
- वित्तीय बाजार : मुद्रा बाजार; पूंजी बाजार, सरकारी प्रतिभूर्ति बाजार
- वित्तीय संस्थाएं : विकास वित्तीय संस्थाएं (डी एफ आई); गैर-बैकिंग वित्तीय कम्पनियां (एन बी एफ सी); म्यूचुअल फंड; पेंशन फण्ड
- भारत में वित्तीय नियामक एजेंसियां
- वित्तीय समावेशन सहित वित्तीय क्षेत्र में सुधार
- बैकिंग तथा अन्य वित्तीय सेवाओं का डिजिटलीकरण : इण्टरनेट बैकिंग, मोबाइल बैकिंग, डिजिटल भुगतान प्रणाली

- बीमा : बीमा के प्रकार – जीवित एवं आजीवित सेवाओं का बीमा, जोखिम का वर्गीकरण तथा प्रबन्धन; जोखिम की बीमायोग्यता के परिसीमक कारक पुनर्बीमा; बीमा का नियामक ढांचा – आई आर डी ए और इस की भूमिका

इकाई-VIII

विपणन प्रबंध

- विपणन : संकल्पना और उपागम; विपणन माध्यम; विपणन मिश्रण; कार्यनीतिपरक विपणन योजना; बाजार खंडीकरण, लक्ष्य और स्थिति
- उत्पाद निर्णय : संकल्पना; उत्पाद रेखा; उत्पाद मिश्रण निर्णय, उत्पाद जीवन चक्र; नबीन उत्पाद जीवन चक्र
- कीमत संबंधी निर्णय : कीमत निर्धारण को प्रभावित करने वाले कारक; कीमत निर्धारण नीतियां तथा कार्यनीतियां
- संवर्धन संबंधी निर्णय : विपणन में संवर्धन की भूमिका; संवर्धन की विधियां - विज्ञापन; वैयक्तिक विक्रय; प्रचार; विक्रय संवेर्धनात्मक साधन और तकनीक; संवर्धन मिश्रण
- वितरण संबंधी निर्णय : वितरण के माध्यम, माध्यम प्रबंध
- उपभोक्ता व्यवहार : उपभोक्ता की क्रय प्रक्रिया, उपभोक्ता के क्रय निर्णय को प्रभावित करने वाले कारक
- सेवा विपणन
- विपणन की प्रवृत्तियां : सामाजिक विपणन; ऑनलाइन मार्केटिंग; ग्रीन मार्केटिंग; प्रत्यक्ष विपणन ग्रामीण विपणन; सी आर एम
- संभार प्रबंध

इकाई-IX

व्यवसाय के कानूनी पहलू

- भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 -: वैध संविदा के तत्व; पक्षकारों की क्षमता; स्वतंत्र सहमति; संविदा का निष्पादन; संविदा का उल्लघंन और संविदा उल्लघंन के खिलाफ उपाय; अर्ध संविदाएं
- विशेष संविदाएं : क्षतिपूर्ति और गांरटी की संविदाएँ; निक्षेप और गिरवी संविदाएं; एजेंसी की संविदाएं
- माल विक्रय अधिनियम, 1930 : विक्रय और विक्रय करार, क्रेता सावधानी का नियम अप्रदत्त विक्रेता के अधिकार और क्रेता के अधिकार

- प्रक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 : प्रकाम्य लिखतों के प्रकार; प्रक्राम्य और समनुदेशन; प्रक्राम्य लिखतों की अस्वीकृति और उन्मोचन
- कंपनी अधिनयम, 2013 – कंपनियों की प्रकृति और प्रकार, कंपनी का गठन, प्रबंधन, कंपनी की बैठकें, संयुक्त पूंजी, कंपनी समापन
- सीमित देयता साझेदारी : भारत में सीमित देयता साझेदारी (एल एल पी); एल एल पी के गठन का ढांचा और उसकी प्रक्रिया
- प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 : लक्ष्य, उद्देश्य और मुख्य प्रावधान
- सूचना प्रौद्योगिकी की अधिनियम, 2000 : उद्देश्य और मुख्य प्रावधान; साइबर अपराध और दंड
- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 : मूल संकल्पना और महत्वपूर्ण प्रावधान
- बौद्धिक संपदा अधिकार : पेटेंट, ट्रेडमार्क्स और कापीराइट्स; बौद्धिक संपदा में उभरते हुए मुद्दे
- माल और सेवा कर (जी एस टी) : जी एस टी की मुख्य विशेषताएं, लाभ और उद्देश्य; कार्यान्वयन तंत्र, दोहरे जी एस टी का कार्यचालन

इकाई-X

आयकर और निगम कर योजना

- आयकर : मूल संकल्पनाएं; आवासीय प्रस्थिति और कर भार; छूट प्राप्त आय; कृषि आय, विभिन्न शीर्षो के अधीन कर योग्य आय का अभिकलन; सकल कुल आय से कटौती; व्यक्तियों का कर-निर्धारण; आयों का सम्मिलित करना
- अंतर्राष्ट्रीय कराधान : दोहरा कराधान और इसका परिहार तंत्र, ट्रांस्फर प्राइसिंग
- निगम कर योजना: निगम कर योजना की संकल्पना और महत्व; कर परिहार बनाम कर अपवंचन; निगम कर योजना की तकनीकें; विशिष्ठ व्यवासाय की स्थितियों में कर विचारण; बनाने या खरीदने संबंधी निर्णय लेना, किसी परिसंपत्ति का स्वामित्व या पट्टा, परिसंपत्ति का प्रतिधारण, परिसंपत्ति का नवीनीकरण या प्रतिस्थापन, प्रचालनों को बंद करना या जारी रखना
- स्रोत पर कर की कटौती और संग्रहण; कर का अग्रिम भुगतान; आयकर विवरणी को इलेक्ट्रोनिक माध्यम से दाखिल करना